Literacy for a Billion

Movie: Hanste Zakhm
Year: 1973

Song: Betaab Dil Ki Tamanna
Lyricist: Kaifi Azmi

बेताब दिल की
तमन्ना यही है
बेताब दिल की
तमन्ना यही है

तुम्हें चाहेंगे तुम्हें पूजेंगे
तुम्हें अपना ख़ुदा बनाएँगे

बेताब दिल की
तमन्ना यही है

सूने सूने ख़्वाबों में
जब तक तुम ना आए थे
ख़ुशियाँ थीं सब औरों की
ग़म भी सारे पराए थे
अपने से भी छुपाई थी
धड़कन अपने सीने की
हमको जीना पड़ता था
ख़्वाहिश कब थी जीने की
अब जो आके तुमने
हमें जीना सिखा दिया है
चलो दुनिया नई बसाएँगे

बेताब दिल की
तमन्ना यही है

भीगी भीगी पलकों पर
सपने कितने सजाए हैं
दिल में जितना अँधेरा था
उतने उजाले आए हैं
तुम भी हमको जगाना ना
बाँहों में जो सो जाएँ
जैसे ख़ुशबू फूलों में
तुममें यूँ ही खो जाए
पल भर किसी जनम में
कभी छूटे ना साथ अपना
तुम्हें ऐसे गले लगाएँगे

बेताब दिल की
तमन्ना यही है
तुम्हें चाहेंगे तुम्हें पूजेंगे
तुम्हें अपना ख़ुदा बनाएँगे

बेताब दिल की
तमन्ना यही है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.